अध्याय - 1

व्याकरण अवश्य पढ़ें

(व्याकरण का सही उपयोग)

हम व्याकरण के नियमों को जानकर ही भाषा का सही प्रयोग कर सकते हैं । इससे बोलने और लिखने में गलती नहीं होगी । इससे हम अपनी बात को अधिक साफ और सरल ढंग से कह सकेंगे । भाषा के तीन अंग हैं – ध्वनि, शब्द या पद, तथा वाक्य । इन सबके बारे में अच्छा ज्ञान प्राप्त कर लेना जरूरी है ।

हर ध्वनि का उच्चारण कैसे और कहाँ से होता है, यह ठीक-ठीक जान लें ताकि उसका उच्चारण आप शुद्ध रूप से कर सकें ।

इसी प्रकार प्रत्येक वर्ण और अक्षर आप शुद्ध रूप से कर सकें । विशेष रूप से मात्राओं और संयुक्त व्यंजनों को शुद्ध लिखना जरूरी है । आपकी हस्तलिपि सुन्दर हो, इसकी कोशिश करें । चन्द्रबिंदु और अनुस्वार का सही प्रयोग करें । कई शब्दों में अनुस्वार का उपयोग होता है, इसका ख्याल रखें । हिंदी में निम्न ध्वनियों का उच्चारण ठीक से सीखना जरूरी है –

ऋ, ऐ, औ, ज, य, ब, व, ल, श, ष, स, क्ष, ज्ञ आदि ।

खास बात यह है कि अनेक ध्वनियों का उच्चारण ओड़िआ उच्चारण से भिन्न है । इसे ठीक से समझ लेना चाहिए । ऐसा प्रयत्न करें कि हमारी बोली और लिखित भाषा स्वाभाविक लगे ।

निम्नलिखित बातों पर ध्यान दें –

(१) ह्रस्व स्वर और उनकी मात्रा का लघु उच्चारण करें । लेकिन दीर्घस्वर और उनकी मात्राओं का उच्चारण लम्बा करें अथवा बल लगाकर करें ।

(२) लिखते समय शब्दों के रूप को ठीक से देखें, उसे याद रखें और सही मात्रा लगाकर लिखें । ऊपरी नजर से शब्द की वर्तनी को देखने से भूलें होती हैं । अत: सावधान रहें ।

(३) हिंदी में 'ऋ' का उच्चारण 'रि' होता है, ओड़िआ की तरह 'रु' नहीं होता । ऐ और औ का उच्चारण मूल स्वर की तरह होता है, 'अइ' औ 'अउ' की तरह संयुक्त स्वर की तरह नहीं ।

(४) हिंदी में ज और य (इअ) दो ध्वनियाँ हैं । इनका उच्चारण सीखें । ओड़िआ की तरह हिंदी में एक और य ध्वनि नहीं है ।

(५) हिंदी में कहाँ पर 'ब' और कहाँ पर 'व' का प्रयोग होता है, देख लें । व्यवहार करते समय सावधानी बरतें ।

(६) हिंदी में ओड़िया वाली 'ळ' ध्वनि नहीं है । सब 'ल' है ।

(७) यह जान लें कि हिंदी में 'श' तालव्य है और 'स' वर्त्स्य ।

(८) हिंदी में शब्द के अन्त का 'अ' उच्चारण नहीं होता, हलन्त उच्चारण होता है । जैसे – कमल्, कलम् ।

(९) प्रत्येक भाषा का अपना एक लहज़ा होता है । यह शब्द और वाक्य दोनों स्तरों पर होता है । रेडियो और टेलिविज़न के कार्यक्रमों से हिंदी बोलने की शैली सीखने का लाभ उठाइए ।

(१०) हिंदी बोलते समय वक्ता या कहनेवाला कभी दीर्घ मात्राओं पर बल देता है तो कभी किसी शब्द पर । इसे बलाघात कहते हैं, जैसे –

– 'राष्ट्रपति' शब्द का उच्चारण करते समय 'रा' पर बल पड़ता है ।

– कभी कर्ता पद पर, कभी कर्म पद पर और कभी क्रिया पद पर बल पड़ता है ।

– पूरे वाक्य को एक लहर में बोला जाता है ।

– वाक्यों को भी बोलने का ढंग होता है, इसे सीखिए ।

—-●-—